दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शुक्रवार 11 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 16

राजकीय सम्मान के साथ हुआ उद्योगपति रतन टाटा का अंतिम संस्कार

मुंबई । आरएनएस

दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा का मुंबई के वर्ली श्मशान घाट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान अमित शाह, महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे, गुजरात सीएम भूपेंद पटेल, देवेंद्र फणनवीस, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल समेत अन्य दिग्गज मौजूद रहे। रतन टाटा को गन सैल्यूट के साथ अंतिम विदाई दी गई।

उनका पार्थिव शरीर, तिरंगे में लिपटा, नरीमन पॉइंट स्थित नेशनल सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स से वर्ली स्थित श्मशान भूमि लाया गया था जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया है। पारसी समुदाय की पारंपरिक दखमा के बजाय, उनका दाह संस्कार किया गया।

हालांकि, बाजों की संख्या कम होने के कारण, रतन टाटा के शरीर को खुले में गिद्धों के लिए नहीं छोड़ा गया। इस निर्णय ने उनके अंतिम संस्कार को एक नई दिशा दी है, जिसमें इलेक्ट्रिक अग्निदाह की प्रक्रिया अपनाई गई है।

रतन टाटा को श्रद्धांजलि देने के लिए देश के बड़े उद्योगपतियों, राजनेताओं, अभिनेताओं और अन्य हस्तियों का सैलाब उनके निवास पर उमड़ पड़ा। हर एक ने अपने तरीके से उन्हें याद किया, और उनके योगदान को सराहा। यह एक ऐसा क्षण है जब मुंबई ने अपने प्रिय उद्योगपति को अंतिम विदाई दी है, जो हमेशा के लिए उनकी यादों में जीवित रहेंगे।

उनकी दूरदर्शिता, उद्यमिता और मानवता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता हमेशा हमें प्रेरित करती रहेगी।

रतन टाटा मार्च 1991 से 28 दिसंबर 2012 तक टाटा समूह के अध्यक्ष रहे। उसके बाद 2016-2017 तक एक बार फिर उन्होंने समूह की कमान संभाली। उसके बाद से वह समूह के मानद चेयरमैन की भूमिका में आ गये थे।

उनका जन्म 28 दिसंबर 1937 को हुआ था। उन्होंने अपने कार्यकाल में टाटा समूह को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया और उदारीकरण के दौर में समूह को उसके हिसाब से ढाला।

रतन टाटा को मिले भारत रत्न, महाराष्ट्र सरकार ने पास किया प्रस्ताव

मुंबई । आरएनएस

महाराष्ट्र सरकार ने आज एक ऐतिहासिक फैसला लेते हुए दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा को भारत रत्न देने का प्रस्ताव पास किया है। इससे पहले रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी गई और फिर यह प्रस्ताव पारित किया गया। अब केंद्र सरकार को इसे लेकर फैसला लेना है।

इससे पहले, शिंदे गुट के नेता राहुल कनाल ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पत्र लिखकर रतन टाटा को भारत रत्न देने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि यह रतन टाटा को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता राहुल कनाल ने गुरुवार को एक पत्र के माध्यम से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से आग्रह किया था कि वह भारत सरकार को टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा के नाम को सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' के लिए प्रस्तावित करें। यह कदम रतन टाटा के अपार योगदान और उनके द्वारा मानवता के प्रति किए गए कार्यों की सराहना के लिए उठाया गया है।

राहुल कनाल ने पत्र में स्पष्ट किया कि रतन टाटा का जीवन दयालु भाव, ईमानदारी और निस्वार्थ सेवा के मूल्यों से भरा हुआ है, जो उन्हें न केवल एक सफल उद्योगपति बनाते हैं, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति के रूप में भी प्रस्तुत करते हैं जो समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाने के लिए सदैव तत्पर रहे हैं। उनका योगदान न केवल भारतीय उद्योग को आगे बढ़ाने में रहा है, बल्कि उन्होंने सामाजिक कल्याण और शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कार्य किए हैं।

अपने पत्र में राहुल कनाल ने लिखा, मुझे उम्मीद है कि यह पत्र आपको अच्छे स्वास्थ्य और उत्साह से भरा हुआ मिलेगा। मैं श्री रतन टाटा जी के निधन पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करने के लिए लिख रहा हूं, वो भारतीय उद्योग जगत के एक प्रतिष्ठित व्यक्ति थे, जिनका योगदान कॉर्पोरेट क्षेत्र से आगे बढ़कर हमारे समाज के ताने-बाने में समा गया है।

वह न केवल एक दूरदर्शी नेता थे, बल्कि एक दयालु मानवतावादी भी थे। आवारा पशुओं के कल्याण के लिए उनके परोपकारी प्रयास, भारत भर में अपने पांच सितारा होटलों के माध्यम से आश्रय प्रदान करना, हमारे समाज के शोषित समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके अलावा, वंचितों के लिए कैंसर अस्पताल स्थापित करने के प्रति उनके समर्पण ने सभी व्यक्तियों के स्वास्थ्य और सम्मान के अधिकार में उनके अटूट विश्वास को प्रदर्शित किया, चाहे उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति कुछ भी हो।

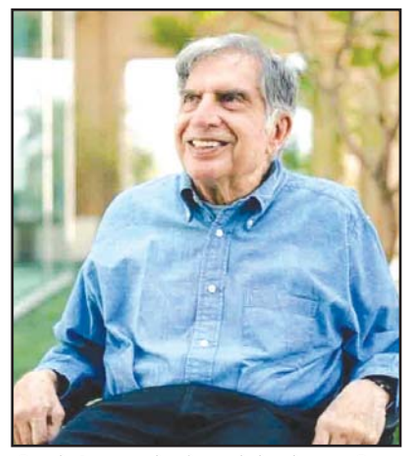

कनाल ने अपने पत्र में लिखा, इन उल्लेखनीय योगदानों के मद्देनजर, मैं आपके सम्मानित कार्यालय से श्री रतन टाटा जी के नाम को भारत सरकार द्वारा दिए जाने वाले सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न पुरस्कार के लिए प्रस्तावित करने का अनुरोध करता हूं। यह सम्मान उस व्यक्ति के लिए एक सच्ची श्रद्धांजलि होगी, जिसने मानवता के प्रति दयालुता, ईमानदारी और निस्वार्थ सेवा के मूल्यों को अपनाया।

उन्होंने आगे लिखा कि टाटा को इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित करना न केवल उनकी विरासत का सम्मान करेगा, बल्कि अनगिनत अन्य लोगों को उनके पदचिन्हों पर चलने और हमारे देश के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित करेगा। इस अनुरोध पर विचार करने के लिए धन्यवाद। मेरा मानना है कि ऐसे असाधारण व्यक्तियों की पहचान हमारे समाज में परोपकार और करुणा की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है।

कौन होगा पद्म विभूषण रतन टाटा का उत्तराधिकारी, जो संभालेगा 3800 करोड़ का साम्राज्य

नई दिल्ली । आरएनएस

दिग्गज उद्योगपति और टाटा संस के मानद प्रमुख पद्म विभूषण रतन टाटा का बुधवार रात को स्वर्गवास हो गया। वह 86 वर्ष के थे। उन्होंने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस ली। रतन टाटा की अगर कोई संतान होती तो शायद यह सवाल कभी खड़ा नहीं होता कि उनका उत्तराधिकारी कौन होगा।

वहीं रतन टाटा के जाने के बाद टाटा के समूह की जिम्मेदारी किसके कंधे होगी उसमें कई नाम शामिल है। नोएल टाटा रतन टाटा के सौतेले भाई सबसे आगे है। सिर्फ नोएल टाटा पर ही नही टाटा की नई पीढ़ी के कंधों पर टाटा समूह की जिम्मेदारी होगी। टाटा की नई पीढ़ी में लिआ, माया और नेविल शामिल हैं, जो रतन टाटा के सौतेले भाई नोएल नवल टाटा के बच्चे हैं। वे अन्य पेशेवरों की तरह कंपनी के माध्यम से आगे बढ़ते हुए, टाटा समूह के भीतर लगातार अपनी जगह बना रहे हैं।

लिआ टाटा समूह में बड़े पद पर कार्यरत- सबसे बड़ी लिआ टाटा ने स्पेन के मैड्रिड में आईई बिजनेस स्कूल से मार्केटिंग में मास्टर डिग्री हासिल की है। वह 2006 में ताज होटल रिसॉर्ट्स एंड पैलेसेस में सहायक बिक्री प्रबंधक के रूप में टाटा समूह में शामिल हुईं और अब विभिन्न भूमिकाओं के माध्यम से प्रगति करते हुए द इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड में उपाध्यक्ष के रूप में कार्य करती हैं।

माया टाटा और नेविल भी उत्तराधिकारी की दौड़ में- छोटी बेटी माया टाटा ने समूह की प्रमुख वित्तीय सेवा कंपनी में एक विश्लेषक के रूप में टाटा कैपिटल में अपना करियर शुरू किया है। वहीं, उनके भाई नेविल टाटा ने ट्रेंट में अपनी पेशेवर यात्रा शुरू की, जिस खुदरा श्रृंखला के निर्माण में उनके पिता ने मदद की थी। नेविल की शादी मानसी किर्लोस्कर से हुई है, जो टोयोटा किर्लोस्कर समूह की उत्तराधिकारी हैं।

1991 में, जब उनके चाचा जेआरडी टाटा ने पद छोड़ दिया, तो उन्होंने समूह का नेतृत्व संभाला। यह समय भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण था, क्योंकि देश ने अपने अर्थव्यवस्था को विश्व के लिए खोलने और तेज तरक्की के युग की शुरुआत करने के लिए क्रांतिकारी सुधार शुरू किए थे। अपने शुरुआती कदमों में से एक में, रतन टाटा ने समूह की कुछ कंपनियों के प्रमुखों की शक्ति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। उन्होंने सेवानिवृत्ति आयु लागू की, युवा लोगों को वरिष्ठ पदों पर पदोन्नत किया और कंपनियों पर नियंत्रण बढ़ाया।

नमक से लेकर जहाज तक! हर घर में टाटा , 365 अरब डॉलर का कारोबार, जानें कैसे रतन टाटा ने खड़ा किया विराट साम्राज्य

मुंबई । आरएनएस

टाटा ग्रुप के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा दुनिया को अलविदा कह चुके हैं। उन्होंने 86 की उम्र में मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में आखिरी सांस ली। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। 31 मार्च, 2024 तक टाटा ग्रुप का कुल मार्केट कैप 365 अरब डॉलर था। लेकिन टाटा ग्रुप का ये विराट कारोबार यूं ही यहां तक नहीं पहुंचा। टाटा ग्रुप को इस मुकाम तक पहुंचाने के लिए रतन टाटा ने मजदूरों की तरह काम किया है। 28 दिसंबर, 1937 को मुंबई में पैदा हुआ रतन टाटा के पिता नवल टाटा और मां सूनी टाटा 1948 में अलग हो गए थे। जिसके बाद उनकी दादी ने उन्हें पाला-पोसा।

मुंबई और शिमला में पढ़ाई करने के बाद रतन टाटा ने हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से उच्च शिक्षा प्राप्त की। जिसके बाद उन्होंने कॉर्नेल यूनिवर्सिटी से आर्किटेक्चर एंड स्ट्रक्चरल इंह्म्ड्डजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की। रतन टाटा अमेरिका में जॉब करना चाहते थे लेकिन दादी की तबीयत की वजह से उन्हें भारत आना पड़ा। भारत में उन्होंने आईबीएम में नौकरी शुरू की थी। उस समय टाटा ग्रुप के चेयरमैन जेआरडी टाटा को जब इस बारे में मालूम चला तो वे काफी नाराज हुए थे। जेआरडी टाटा के कहने पर उन्होंने अपना टाटा ग्रुप में अपना सीवी भेजा और एक सामान्य कर्मचारी के रूप में टाटा ग्रुप में अपने करियर की शुरुआत की।

टाटा ग्रुप में जॉब के दौरान उन्होंने बाकी कर्मचारियों के साथ काम की बारीकियां सीखीं और टाटा स्टील के प्लांट में चूना-पत्थर को भट्टियों में डालने का काम किया, जो आमतौर पर मजदूर करते थे। साल 1991 में रतन टाटा ने टाटा ग्रुप के चेयरमैन बने और करीब 21 साल तक पूरे ग्रुप का नेतृत्व किया। इस दौरान रतन टाटा ने न सिर्फ टाटा ग्रुप का यादगार नेतृत्व किया बल्कि इंडस्ट्री में भारत का नाम रोशन किया। टाटा ग्रुप का चेयरमैन रहते हुए रतन टाटा ने जगुआर लैंड रोवर जैसे दिग्गज ब्रांड को टेकओवर किया।

रतन टाटा का टाटा ग्रुप नमक बनाने से लेकर हवाई जहाज उड़ा रहा है। रतन टाटा की ही देन है कि आज भारत के घर-घर में टाटा का कोई न कोई प्रोडक्ट इस्तेमाल हो रहा है। रतन टाटा ने देश को ऐसे-ऐसे प्रोडक्ट दिए, जिसका इस्तेमाल भारत के अपर क्लास से लेकर लोअर क्लास तक इस्तेमाल कर रहा है।

महत्वपूर्ण एवं खास

रतन टाटा के योगदान ने समाज पर अमिट छाप छोड़ी: सीतारमण

नई दिल्ली (आरएनएस)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने श्री रतन टाटा के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए गुरुवार को कहा वे एक उत्कृष्ट नेता, दूरदर्शी उद्योगपति और परोपकारी व्यक्ति थे, जिनके योगदान ने हमारे समाज पर अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने एक्स पर जारी अपने शोक संदेश में कहा कि श्री टाटा के नवाचार, नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति गहरे संकल्प ने उद्योगों को बदल दिया और समुदायों को ऊपर उठाया। उन्होंने श्री टाटा के परिवार, दोस्तों और उन सभी लोगों के प्रति गहरी संवेदनाएँ व्यक्त की जिनके जीवन को उन्होंने छुआ। उनकी उल्लेखनीय विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। उल्लेखनीय है कि श्री टाटा का कल देर रात मुंबई के एक अस्पताल में 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया था।

बलिया में मारपीट के दौरान युवक की मौत

बलिया (आरएनएस)। बलिया के रेवती थाना क्षेत्र में मून छपरा में दो लोगों के बीच विवाद के बाद जमकर मारपीट की घटना सामने आई है, जिसमें एक युवक की मौत हो गई। एसपी विक्रांत वीर ने इस मामले में जानकारी देते हुए बताया कि बलिराम पाण्डेय और कमलेश गोड एक साथ बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर उनके बीच विवाद हो गया, जो बाद में मारपीट में बदल गया। इस झगड़े के दौरान बलिराम पाण्डेय गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घायल बलिराम को तत्काल जिला अस्पताल के लिए भेजा, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। मृतक की मां की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। इस घटना ने इलाके में हडक़ंप मचा दिया है, और अब पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

नवरात्रि में भक्त ने जीभ काटकर देवी मां को चढ़ाई, खून से भर दिया खप्पर

भिण्ड । आरएनएस

नवरात्रि के मौके पर भक्त ने अपनी श्रद्धा में इतना बड़ा बलिदान दिया कि हर कोई हैरान रह गया। मध्य प्रदेश के भिण्ड जिले में मां रतनगढ़ देवी मंदिर में एक भक्त ने अपनी जीभ ही काटकर देवी मां पर चढ़ा दी। नवरात्रि के मौके पर मंदिर में भक्त ने जवारे बोए थे। पंचमी की झांकी पर हवन करने के बाद भक्त ने अपनी आधी से ज्यादा जीभ काटकर देवी मां के चरणों में चढ़ा दी। जैसे ही ये जानकारी नगर के लोगों को मिली मंदिर में हुजूम उमड़ा पड़ा। घटना मंगलवार शाम की बताई जा रही है।

भिण्ड में माता का अनोखा भक्त

दरअसल, भिण्ड के लहार नगर के वार्ड नंबर 15 में मां रतनगढ़ देवी का मंदिर स्थित है। इस मंदिर को धनीराम शाक्य पुत्र छोटे लाल शाक्य ने साल 2015 में अपनी निजी जमीन पर बनवाया था। मंदिर में देवी मां की प्राण प्रतिष्ठा 21 मार्च 2015 को की गई थी। उक्त मंदिर पर पुजारी के रूप में जयकिशन शाक्य को नियुक्त किया गया था। पुजारी जयकिशन ने जानकारी देते हुए बताया कि मंदिर प्रांगण में नवदुर्गा के अवसर पर जवारे बोए गए थे। बीती रात पंचमी के अवसर पर जवारों की झांकी सजाई गई थी। मंदिर के पास ही रहने वाले रामशरण भगत ने जवारों के दर्शन किए और देवी मां की प्रतिमा के सामने अपनी जीभ काट कर चढ़ा दी।

फिर से वापस आएगी जीभ- भक्त- भक्त द्वारा लगभग तीन इंच तक अपनी जीभ काटकर देवी के चरणों मे रख दी और मंदिर के सामने रखे खप्पर में खून भर दिया था। ये देखकर मंदिर में मौजूद बाकी लोग हैरान रह गए। लहार नगर में जैसे ही यह बात फैली मंदिर पर लोगो का हुजूम उमडऩे लगा। वही, आसपास रहने वाले लोगों का कहना है कि भक्त ने देवी में अपनी आस्था और श्रद्धा के चलते अपनी जीभ उनको अर्पित की है। इसके बाद सभी भक्तों ने मां के भजन-किर्तन करने शुरू कर दिए। उन्हें भी विश्वास है कि रामशरण की जीभ फिर से वापस आएगी और वह फिर से बोलने लगेंगे।

हैरान कर देने वाली बात तो ये है कि भक्त को इसके बाद कोई दिक्कत नहीं हुई वे आराम से देवी की प्रतिमा के सामने लेटे रहे। लोग भी उनकी इस भक्ति को देखकर आश्चर्य में है।

जम्मू-कश्मीर : अनंतनाग में अपहृत सेना के जवान की हत्या, शव बरामद; शरीर पर मिले गोलियों के निशान

अनंतनाग । आरएनएस

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में आतंकवादियों ने एक बार फिर हिंसा की घटना को अंजाम देते हुए प्रादेशिक सेना के एक जवान का अपहरण कर लिया और उसकी हत्या कर दी। सुरक्षाबलों ने जवान का शव बरामद कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आतंकवादियों ने जंगल के एक इलाके में गश्त पर निकले दो टीए जवानों को घेर लिया और उनका अपहरण कर लिया। हालांकि, इनमें से एक जवान आतंकवादियों के चंगुल से भाग निकलने में सफल रहा।

शेष बचे जवान की तलाश में सुरक्षाबलों ने तत्काल एक व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। गहन खोज के बाद जवान का शव बरामद हुआ। प्रारंभिक जांच में शव पर गोली के निशान पाए गए हैं।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि, हमें पहले से ही इस क्षेत्र में आतंकवादियों की गतिविधियों के बारे में सूचना मिली थी। हमने दो जवानों को इस इलाके में संभावित आतंकवादी ठिकानों की जानकारी जुटाने के लिए भेजा था।

मृतक जवान की पहचान दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के 26 वर्षीय युवक के रूप में हुई है। जवान की हत्या की इस घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव व्याप्त है। सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों की तलाश में एक बड़ा सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। फिलहाल, सेना की ओर से इस घटना के संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

अनिरुद्धाचार्य ने बिल गेट्स पर कसा तंज, परिवार को लेकर कह दी बड़ी बात

नई दिल्ली । आरएनएस

कथावाचक अनिरुद्धाचार्य ने माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स और उनकी पूर्व पत्नी मेलिंडा गेट्स के तलाक पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि बिल गेट्स जैसे सफल व्यापारी भी अपना परिवार नहीं संभाल पाए।

भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के पॉडकास्ट में अनिरुद्धाचार्य ने कहा, आज देखिए बड़े-बड़े डॉक्टर्स हैं, बड़े-बड़े जज हैं, बड़े-बड़े इंजीनियर हैं, बड़े-बड़े एडवोकेट हैंज्पढ़ा-लिखा समाज है। ये लोग बड़ा सुंदर व्यापार तो कर पा रहे हैं। लेकिन वही लोग अपना परिवार नहीं चला पा रहे हैं, अपनी पत्नी को खुश नहीं रख पा रहे हैं, अपने बच्चों को सही रास्ता नहीं दिखा पा रहे हैं।

उन्होंने बिल गेट्स को उदाहरण देते हुए कहा, बिल गेट्स जैसा सफल व्यापारी धरती पर कौन होगा? सफल बिजनेसमैन कौन होगा? उसने व्यापार चलाना तो सीख लिया पर परिवार चलाना नहीं सीख पाया। इसलिए 27 सालों के बाद बिल गेट्स की पत्नी ने उसे तलाक दे दिया।

अनिरुद्धाचार्य ने आगे कहा कि परिवार चलाना और व्यापार चलाना दोनों अलग-अलग चीजें हैं। आजकल लोग सिर्फ पैसों के पीछे भाग रहे हैं। पैसा जरूरी है लेकिन परिवार से ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं है। उन्होंने कहा, अगर पत्नी, बेटा और मां-बाप खुश रहेंगे न तो पैसा अपने आप आ जाएगा। जरूरत के वक्त पैसा काम आता है, लेकिन जो चीज पैसा भी नहीं कर पाता वो परिवार कर देता है। इसलिए उसका महत्व पैसों से कहीं ज्यादा है।

कुंभ मेले में रेलवे चलाएगा स्पेशल मेमू ट्रेन, लाखों श्रद्धालुओं को मिलेगी बड़ी राहत

प्रयागराज । आरएनएस

नॉर्थ सेंट्रल रेलवे के प्रयागराज डिविजन ने कुंभ मेले के दौरान प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं के लिए स्पेशल मेमू ट्रेन चलाने का फैसला किया है। रेलवे ने अयोध्या में रामलला और वाराणसी में बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने के लिए पहली बार 'फास्ट रिंग मेमू' सेवा शुरू करने की तैयारी की है। मंडल रेल प्रबंधक हिमांशु बडोनी ने प्रयागराज में बताया कि यह 'फास्ट रिंग मेमू' सर्विस प्रयागराज से अयोध्या और वाराणसी होकर प्रयागराज आएगी। उन्होंने बताया कि इसी तरह दूसरी ट्रेन प्रयागराज से वाराणसी और अयोध्या होते हुए प्रयागराज आएगी।

व्यस्ततम दिनों में 825 ट्रेनें चलाने की तैयारी'- रेलवे ने बताया कि मुख्य स्नान पर्वों को छोडक़र यह ट्रेन सर्विस सभी दिन उपलब्ध रहेगी और रोजाना प्रयागराज से 2 मेमू सेवा (एक वाराणसी और दूसरी अयोध्या की तरफ) को चलाया जाएगा। प्रयागराज डिविजन पहली बार कुंभ मेले में यह सर्विस शुरू करने जा रहा है। बडोनी ने बताया कि कुंभ मेले में व्यस्ततम दिनों में 825 ट्रेनें चलाने की तैयारी की गई है जबकि 2019 में हुए पिछले कुंभ मेले में व्यस्ततम दिनों में 694 ट्रेनें चलाई गई थीं। उन्होंने बताया कि ये ट्रेनें कम दूरी यानी कि 200 किलोमीटर तक की यात्रा के लिए होंगी।

'मेले के दौरान कुल 1225 ट्रेनें चलाई जाएंगी'- बडोनी ने कहा, 'लंबी दूरी के लिए उत्तर मध्य रेलवे द्वारा 400 ट्रेनें चलाने की मंजूरी दी गई है। इस तरह मेले के दौरान कुल 1225 ट्रेनें चलाई जाएंगी। रेलवे का खास जोर किसी भी तरह के खतरे की आशंका को कम से कम करने पर है, जिसके लिए रेलवे के तीनों जोन उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे और पूर्वोत्तर रेलवे युद्ध स्तर पर तैयारी कर रहे हैं। प्रयागराज में उत्तर मध्य रेलवे के 4 स्टेशन, उत्तर रेलवे के 3 स्टेशन और पूर्वोत्तर रेलवे के दो2स्टेशन हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए प्रयागराज डिविजन ने एक टोल फ्री नंबर 1800-4199-139 तैयार किया है, जो एक नवंबर से शुरू हो जाएगा।'

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हो रहे ये काम- बडोनी ने बताया कि टोल फ्री नंबर पर यात्री कहीं से भी अपनी मातृभाषा में सभी तरह की सुविधाओं की जानकारी ले सकेंगे। उन्होंने कहा, 'प्रयागराज में 21 रेलवे ओवरब्रिज या रेलवे अंडरब्रिज कुंभ मेले से पहले चालू हो जाएंगे, जिससे भीड़भाड़ कम करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, प्रयागराज जंक्शन पर एकीकृत मेला नियंत्रण टावर स्थापित किया गया है जो भीड़ नियंत्रित करने में अहम भूमिका अदा करेगा। मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दूसरे जिलों से 8 हजार कर्मचारियों को तैनात किया जाएगा, जिसमें रेलवे सुरक्षा बल के 2200 कर्मचारी शामिल हैं।